05-07-2018 की मुरली से प्रश्नोत्तरी

प्रश्न - बच्चों को बहलाने के लिए कौन से साधन हैं?
उत्तर - गीत हैं।

प्रश्न - तुम ब्रह्मा की क्या हो और शिव की क्या हो?
उत्तर - बच्चियां, पोत्रियां।

प्रश्न - जब सगाई होती है तो क्या करते हैं?
उत्तर - बहुत स्वहेज़ करते हैं।

प्रश्न - जब शादी का समय होता है तो क्या करते हैं?
उत्तर - फटे हुए कपड़े पहनते हैं। तेल लगाते हैं।

प्रश्न - सब कुछ कैसे मिल जायेगा?
उत्तर - जब कुछ भी नहीं होगा तो ....।

प्रश्न - किस तरफ बुद्धि लगानी है?
उत्तर - शिवपुरी, विष्णुपुरी तरफ ही बुद्धियोग लगाना है।

प्रश्न - मीरा ने लोकलाज़ क्यों खोई?
उत्तर - सिर्फ पवित्रता के कारण।

प्रश्न - मीरा ने विष को क्यों छोड़ा?
उत्तर - कृष्णपुरी में जाऊंगी इसलिए विष को छोड़ा।

प्रश्न - मीरा को कितना समय हुआ होगा?
उत्तर - 5-7 सौ वर्ष।

प्रश्न - तुम कौन-सी मीरायें बनती हो?
उत्तर - सच्ची ज्ञान मीरायें।

प्रश्न - तुम मीरायें यहां किसलिएआई हो?
उत्तर - सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी महारानी बनने के लिए।

प्रश्न - अगर बचपन को भूल हाथ छोड़ दिया तो क्या होगा?
उत्तर - फिर तो कभी नहीं महारानी बनेंगी और ही प्रजा में भी कम पद पायेंगी।

प्रश्न - भक्ति करने वालों से भी क्या पूछना चाहिए?
उत्तर - कि तुम क्या चाहते हो? कृष्ण की भक्ति क्यों करते हो?

प्रश्न - देवतायें कहाँ सदा सुखी थे?
उत्तर - इस भारत में ही सदा सुखी थे।

प्रश्न - सुखधाम माना क्या?
उत्तर - सब सुखी। कोई एक भी दु:खी नहीं रहता।

प्रश्न - सुखधाम में तो .... भी कभी दु:खी नहीं होते।
उत्तर - जानवर

प्रश्न - शान्ति की दुनिया अलग है, जिसको क्या कहते हैं?
उत्तर - निर्वाणधाम।

प्रश्न - चित्र हाथ में उठाए किस की सर्विस करनी चाहिए?
उत्तर - वानप्रस्थियों की।

प्रश्न - मन्दिरों में घुस कर किससे चिटचैट करनी चाहिए?
उत्तर - वानप्रस्थियों से।

प्रश्न - सब सन्यासियों का फैलाव है, वह अपने को क्या कहलाते हैं?
उत्तर - ब्रह्म ज्ञानी तत्व ज्ञानी।

प्रश्न - तुम बच्चों को अब क्या होना है?
उत्तर - होशियार।

प्रश्न - सन्यासियों से भी कौन निकलेंगे?
उत्तर - जो असुल देवी-देवता धर्म के होंगे।

प्रश्न - इतना जल्दी कौन नहीं निकलेंगे?
उत्तर - जो 3-4 जन्मों से कनवर्ट हुए होंगे तो इतना जल्दी नहीं निकलेंगे।

प्रश्न - सन्यासियों में झट कौन निकलेंगे?
उत्तर - ताजे गये हुए होंगे तो झट निकलेंगे।

प्रश्न - बाबा में ..... है ना।
उत्तर - कशिश

प्रश्न - आत्मायें हैं ...., बाबा है .....।
उत्तर- सुई, चुम्बक।

प्रश्न - बाबा सबकी कट कैसे निकालते हैं?
उत्तर - ज्ञान अमृत से।

प्रश्न - चक्रवर्ती राजे-रानी कैसे बनेंगे?
उत्तर - जब सारा दिन चक्र बुद्धि में फिरेगा।

प्रश्न - कोई दाम पूछे तो क्या बोलो?
उत्तर - बाबा तो गरीबनिवाज है। गरीबों के लिए तो फ्री है। बाकी साहूकार जितना देंगे उतना हम और भी छपायेंगे। पैसा कोई हम अपने काम में नहीं लगाते हैं। जो मिलता है वह औरों के ही काम में लगाया जाता है।

प्रश्न - ककोड़ गांव की माता क्या कहती हैं?
उत्तर - मैं सेन्टर खोलूँ। ऐसी गाडली युनिवर्सिटी में 3-4 ने भी अच्छा पद पा लिया तो अहो भाग्य उनका।

प्रश्न --सपूत बच्चे ही क्या कर सकते हैं?
उत्तर - बाबा की सर्विस कर सकते हैं।

प्रश्न - तुमको भी किसका शो करना है?
उत्तर - सतगुरू का।

प्रश्न - काम अथवा क्रोध में आये तो क्या करते हैं?
उत्तर - गोया सतगुरू की निंदा कराई फिर पद पा नहीं सकेंगे। बहुत सम्भाल करनी चाहिए।

प्रश्न - मुसलमानों को भी क्या समझाओ?
उत्तर - तुम खुदा की बन्दगी करते हो तो जरूर बन्दे ठहरे।

प्रश्न - ज्ञान से क्या हो जाता है?
उत्तर - तुम्हारा बेड़ा पार हो जाता है।

प्रश्न - मीठे बच्चे अब तुम स्वर्ग में चलते हो तो क्या बनना है?
उत्तर - पवित्र जरूर बनना है।

प्रश्न - भारत में पवित्रता नहीं है तो क्या होता है?
उत्तर - धक्के खाते रहते हैं। कितने हंगामें हैं - जो गांधी सिखलाकर गये हैं, प्रजा फॉलो कर रही है।

प्रश्न - अर्जुन को क्या कराया है?
उत्तर - विनाश का और विष्णुपुरी का साक्षात्कार।

प्रश्न - टोलपुट किसे कहा जाता है?
उत्तर - अच्छे बच्चों को।

प्रश्न - बड़ी मंजिल क्या है, जिसमें मेहनत है?
उत्तर - देही-अभिमानी हो रहना।

प्रश्न - बहुत अच्छी लगन कब लगेगी?
उत्तर - रात को जागो तो ....।

प्रश्न - हे नींद को जीतने वाले बच्चे मुझे कैसे याद करो?
उत्तर - श्वाँसों श्वाँस याद करो। विचार सागर मंथन करो।

प्रश्न - जितना-जितना ज्ञान का सिमरण करेंगे तो क्या होगा?
उत्तर - उतनी कमाई होगी।

प्रश्न - पैसे हैं तो क्या करना है?
उत्तर - अलौकिक सर्विस में सफल करने हैं।

प्रश्न - बाप कहते हैं इस दुनिया में एक भी मनुष्य क्या नहीं हैं?
उत्तर - त्रिकालदर्शी आस्तिक।

प्रश्न - कवच का अर्थ क्या है?

उत्तर - मनमनाभव। शिवबाबा को याद करो, देही-अभिमानी बनो।

प्रश्न - अपनी अवस्था को क्या करना है?
उत्तर - जमाना।

प्रश्न - हंस बगुले इक्ट्ठे रहते हैं तो क्या होता है?
उत्तर - विघ्न पड़ते हैं। असुरों के सितम भी बहुत सहन करने हैं।

प्रश्न - सौभाग्यशाली कौन बनते हैं?
उत्तर - जो बहुत सितम सहन करते हैं वही सौभाग्यशाली हैं।

प्रश्न - नींद किसको नहीं आएगी?
उत्तर - सर्विस का शौक होगा तो उनको नींद थोड़े ही आयेगी।

प्रश्न - ज्ञान को अच्छी रीति क्या करना है?
उत्तर - अन्दर घोटना है।

प्रश्न - जब ज्ञान घिसेंगे तब ही क्या बनेंगे?
उत्तर - राजतिलक लेने के लायक बनेंगे।

प्रश्न - फॉलो किसे करना चाहिए?
उत्तर - जो तीखे-तीखे बच्चे हैं उन्हों को फॉलो करना चाहिए, बड़ी जबरदस्त कमाई है, जिनके पास लाख करोड़ हैं वे सब खलास हो जायेंगे। थोड़े टाइम में देखना क्या होता है। फिर मनुष्य जागेंगे। लड़ाई आदि की रिहर्सल होती रहेगी।

वरदान - ब्राह्मण जीवन में सदा मेहनत से मुक्त रहने वाले सर्व प्राप्ति सम्पन्न भव

इस ब्राह्मण जीवन में दाता, विधाता और वरदाता - तीनों संबंध से इतने सम्पन्न बन जाते हो जो बिना मेहनत रूहानी मौज में रह सकते हो।

बाप को दाता के रूप में याद करो तो रूहानी अधिकारीपन का नशा रहेगा।

शिक्षक के रूप में याद करो तो गॉडली स्टूडेन्ट हूँ, इस भाग्य का नशा रहेगा और सतगुरू हर कदम में वरदानों से चला रहा है।

हर कर्म में श्रेष्ठ मत-वरदाता का वरदान है।

ऐसे सर्व प्राप्तियों से सम्पन्न रहो तो मेहनत से मुक्त हो जायेंगे।

स्लोगन - बुद्धि का हल्कापन व महीनता ही सबसे सुन्दर पर्सनालिटी है

ओम शान्ति